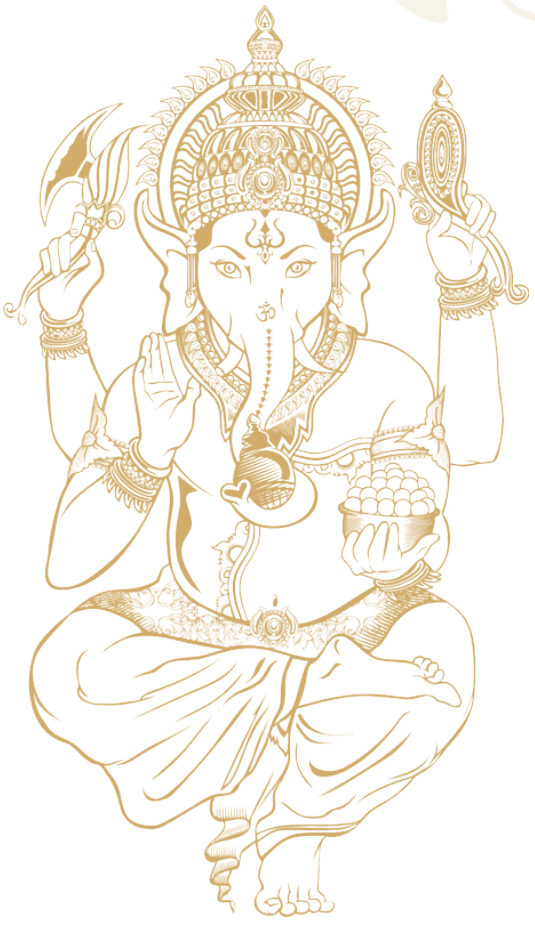

Mr.jitendra

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121332807

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/05/2002	जन्म तिथि	09/12/2002
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 18:45:00	जन्म समय	21:58:00 घंटे
घटी 33:21:14	जन्म समय(घटी)	38:14:55 घटी
India	देश	India
Jabalpur	स्थान	Yavatmal
23:10:00 उत्तर	अक्षांश	20:24:00 उत्तर
79:57:00 पूर्व	रेखांश	78:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:10:12	स्थानिक संस्कार	-00:17:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:30	सूर्योदय	06:41:56
18:51:22	सूर्यास्त	17:37:34
23:53:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:37

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 3वर्ष 7मा 3दि		15:28:31	वृश्चि	लग्न	कर्क	23:03:05	मंगल 2वर्ष 10मा 3दि	
राहु		16:01:31	वृष	सूर्य	वृश्चि	23:31:44	गुरु	
02/01/2013		18:32:34	मक	चंद्र	कुंभ	01:14:58	14/10/2023	
03/01/2031		08:07:50	मिथु	मंगल	तुला	11:18:17	14/10/2039	
राहु	15/09/2015	09:38:25	वृष व	बुध	धनु	07:23:03	गुरु	01/12/2025
गुरु	08/02/2018	22:35:53	मिथु	गुरु व	कर्क	24:10:00	शनि	13/06/2028
शनि	15/12/2020	19:14:11	मिथु	शुक्र	तुला	12:08:44	बुध	19/09/2030
बुध	04/07/2023	23:24:41	वृष	शनि व	मिथु	02:21:53	केतु	26/08/2031
केतु	22/07/2024	23:59:08	वृष	राहु व	वृष	14:44:42	शुक्र	26/04/2034
शुक्र	23/07/2027	23:59:08	वृश्चि	केतु व	वृश्चि	14:44:42	सूर्य	12/02/2035
सूर्य	15/06/2028	04:56:49	कुंभ	हर्ष	कुंभ	01:32:38	चन्द्र	13/06/2036
चन्द्र	15/12/2029	17:00:30	मक व	नेप	मक	14:59:26	मंगल	20/05/2037
मंगल	03/01/2031	22:34:05	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:32:54	राहु	14/10/2039

लग्न-चलित

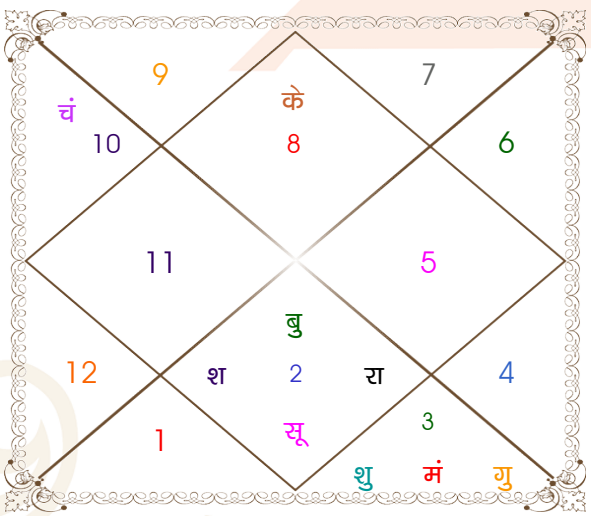

लग्न-चलित

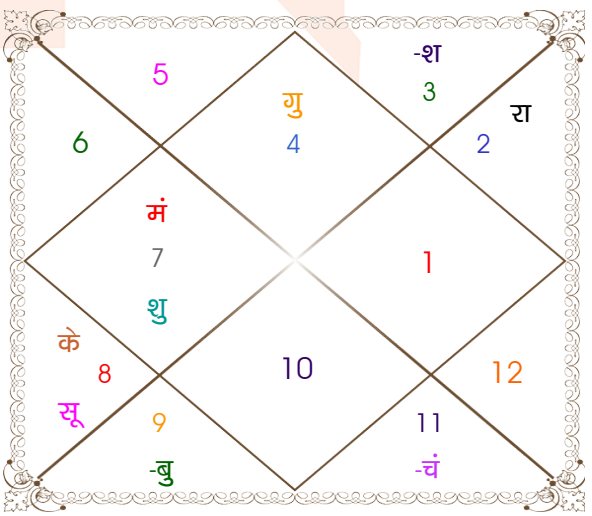

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.jitendra का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.jitendra और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.jitendra मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.jitendra कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

Mr.jitendra तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।